सरकारी व्यय बढ़ाया जाता है तब आय Yx के स्तर को प्राप्त होगा तब AB मात्रा में excess spending over constant full employment income प्राप्त होगा जिसको inflationary gap कहते है तथा AB को Demand pull inflation.

Bent Hansen Demand Inflation

स्वीडन के अर्थशास्त्री Bent Hansen ने मुद्रास्फीति को Excess demand के माध्यम से प्रदर्शित किया है। Bent Hansen ने अर्थव्यवस्था के बाजार को दो भागों में बाँटा है —

(i) वस्तु बाजार

(ii) साधन बाजार

मुद्रास्फीति संबंधित विचारधारा में Bent Hansen का विचार एक नया मोड़ दिया क्योंकि इन्होंने वस्तु बाजार तथा साधनों के बाजार में demand inflation को अलग अलग बाँटकर प्रदर्शित किया तथा दोनों बाजार में Monetary pressure of inflation को प्रदर्शित किया।

इस धारणा को Bent Hansen ने निम्नलिखित सूत्रों से प्रदर्शित किया है —

Necessary condition —

$$\sum_{i=1}^{n} x_i P_i + \sum_{j=1}^{m} x_j P_j > 0 \Rightarrow \text{Monetary pressure of Inflation}$$

Subsidiary condition —

$$\sum_{i=1}^{n} x_i p_i \geq 0$$

$$\sum_{J=1}^{m} X_J P_J \geq 0$$

ऊपर के सूत्र में

xp = D − S = वस्तु बाजार में Excess demand

XP = D − S = साधन बाजार में Excess demand

i = 1, 2, 3 - - - n वस्तु की संख्या

J = 1, 2, 3 - - - m साधन की संख्या

Bent Hansen ने कहा है कि " If there is increase or decrease in the value of Excess demand it shows the quantitative pressure of inflation."

निम्न सूत्रों के सहारे Bent Hansen ने quantitative pressure of Inflation को प्रदर्शित किया है —

Necessary condition —

$$\sum_{i=1}^{n} p'_i (x_i^2 - x'_i) + \sum_{J=1}^{m} P'_J (X_J^2 - X'_J) > 0 \Rightarrow$$

↓ quantitative pressure of Inflation

Subsidary conditions.

$$\sum_{i=1}^{n} p'_i (x_i^2 - x'_i) \geq 0$$

and

सूत्र में प्रथम term का संबंध वस्तु बाजार में व्याप्त demand inflation से है जबकि द्वितीय term का संबंध साधन बाजार में व्याप्त Demand inflation से है।

यहाँ
1 = आधार वर्ष = p_i x – वस्तु बाजार में मूल्य एवं मांग
2 = वर्तमान वर्ष = P_J X → साधन बाजार में मूल्य एवं मांग

· Bent Hansen ने अपने Demand Pull inflation को निम्न रेखाचित्र से प्रदर्शित किया है —

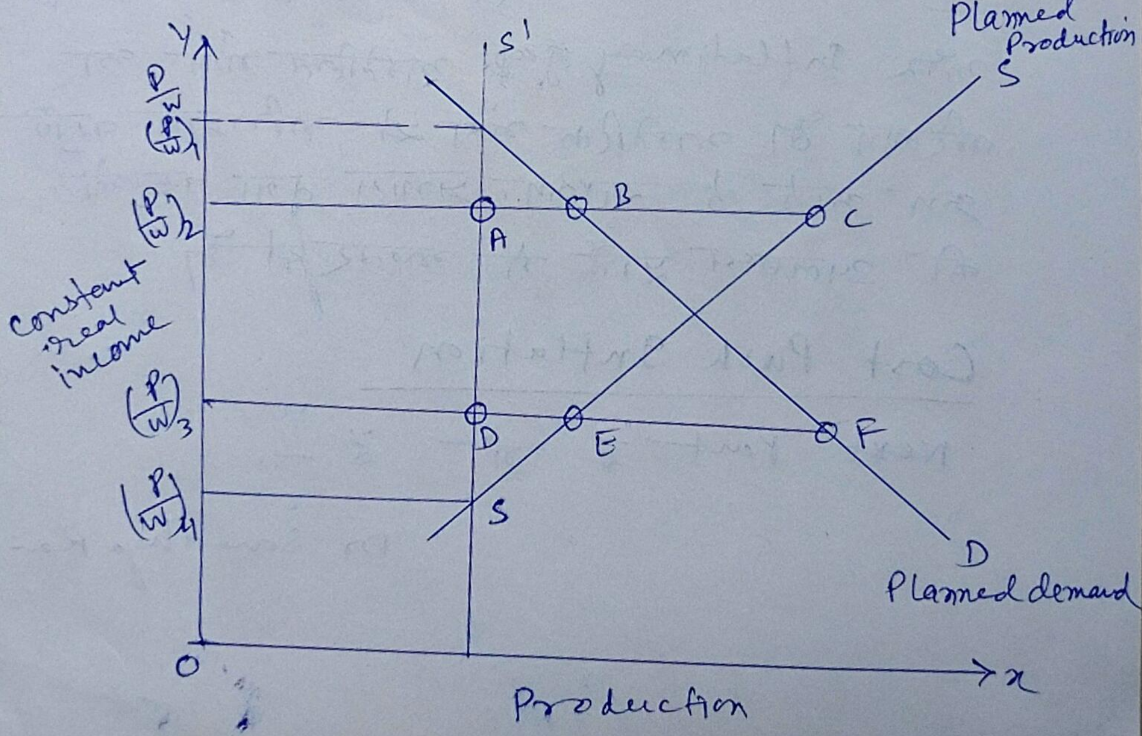

चित्र में AB = वस्तु बाजार में Demand inflation है तथा AC साधन बाजार में Demand inflation है।
S' = Actual output, S = Planned output
D = Planned Demand

Inflationary gap in वस्तु बाजार = D − S' > 0

Inflationary gap in साधन बाजार = S − S' > 0

Bent Hansen ने निम्नलिखित Dynamic संबंध को स्थापित किया है —

$$\frac{dp}{dt} = f_1 (D - S')$$

$$\frac{dw}{dt} = f_2 (S - S')$$

इसप्रकार Bent Hansen के अनुसार मुद्रास्फीति का कारण Excess demand है और Inflationary gap अतिरिक्त मांग का परिणाम है। अतिरिक्त मांग से अभिप्राय वस्तुएँ क्रय करने के सक्रिय प्रयास तथा वस्तुओं की उपलब्ध पूर्ति में अन्तर से है।

Cost Push Inflation

Next Part II में है —

Dr Sandhya Rai